सुधार की लंबी राह के बीच मल्टीप्लेक्स पर क्यूएसआर की दिख रही बढ़त

वित्त वर्ष 2020 के स्तर पर पहुंचने में डिस्क्रीशनरी यानी मनमर्जी से किए जाने वाले खर्च को पहुंचने में 15 से 20 महीने लग सकते हैं, लेकिन डिलिवरी मॉडल और बाजार हिस्सेदारी का लाभ क्यूएसआर को सहारा देगा जबकि मल्टीप्लेक्स के लिए ग्राहक आकर्षित करना चुनौतीपूर्ण होगा

श्रीपाद एस ऑटे
मुंबई, 24 मई

लॉकडाउन के कारण डिस्क्रीशनरी मांग पर असर पड़ने और उपभोक्ताओं के व्यवहार पर पड़ने वाले असर की पृष्ठभूमि में बाहर खाना खाने के लिए और भीड़भाड़ वाली जगहों मसलन मॉल और सिनेमा थिएटर जाने से लोग बचेंगे। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि वित्त वर्ष 2020 (कोविड के पहले) के स्तर पर रिकवरी को पहुंचने में कम से कम 15 से 20 महीने लग जाएंगे। हालांकि डिस्क्रीशनरी क्षेत्र के भीतर भी उम्मीद यह है कि क्विक सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर) की रिकवरी मल्टीप्लेक्स के मुकाबले तेज हो सकती है।

25 मार्च से शुरू लॉकडाउन के बाद से क्यूएसआर शेयरों मसलन जुबिलैंट फूडवर्क्स और वेस्टलाइफ डेवलपमेंट का मल्टीप्लेक्स मसलन पीवीआर और आईनॉक्स लीजर के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए बाजार का भी ऐसा ही मानना है। केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस के मुताबिक, बाहर खाना खाने और सार्वजनिक जगहों पर जाने के मामले में उपभोक्ताओं के बीच डर कुछ समय तक बना रहेगा, ऐसे में डिस्क्रीशनरी क्षेत्र की रिकवरी की रफ्तार सुस्त रहेगी। उन्होंने कहा, हालांकि क्यूएसआर कंपनियों के डिलिवरी चैनल से उन्हें बेहतर रिकवरी में मदद मिलेगी और प्राथमिकता की सूची में मल्टीप्लेक्स का स्थान आखिरी होगा।

ऐक्सिस सिक्योरिटीज के मुख्य निवेश अधिकारी नवीन कुलकर्णी की राय डिस्क्रीशनरी क्षेत्र (मल्टीप्लेक्स व क्यूएसआर समेत) पर नकारात्मक है और उनका भी मानना है कि क्यूएसआर की रिकवरी तेज रहेगी।

डोमिनो पिज्जा की भारतीय फ्रैंचाइजी जुबिलैंट फूडवर्क्स ने 20 मई को चौथी तिमाही के नतीजे की घोषणा में छोटे शहरों में डिलिवरी कारोबार में सुधार कोविड पूर्व के स्तर पर पहुंचने को रेखांकित किया था। क्यूएसआर को स्थानीय कंपनियों से भी बाजार हिस्सेदारी मिल सकती है।

आईडीबीआई कैपिटल के विश्लेषक वरुण सिंह ने कहा, मौजूदा माहौल ने संगठित क्यूएसआर में ब्रांडेड कंपनियों में अच्छे मौके की पेशकश की है, जो ओपन किचन के जरिये परिचालन करती है और वे असंगठित और क्लाउड किचन कंपनियों से बाजार हिस्सेदारी हासिल कर सकती हैं क्योंकि वे ग्राहकों को सुरक्षा और साफ-सफाई का भरोसा देती हैं। जोमैटो और स्विगी से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के जोखिम खत्म हो सकते हैं क्योंकि लोग जानी पहचानी व ब्रांडेड कंपनियों को प्राथमिकता देंगे।

हालांकि संगठित क्यूएसआर के रेस्तरां कारोबार पर दबाव (जो करीब 40 फीसदी राजस्व देता है) और बड़े शहरों में मांग में सुधार (जो कोविड-19 के कारण प्रभावित हुआ है) जारी रहेगा और इस पर नजर रखी जा सकती है। दूसरा, उच्च इनपुट लागत से मार्जिन पर असर पड़ सकता है क्योंकि मौजूदा माहौल में ऐसी बढ़ी लागत का भार ग्राहकों पर डालना आसान नहीं होगा।

ग्राहकों को आकर्षित करने का मल्टीप्लेक्स के पास कोई वैकल्पिक जरिया नहीं है, ऐसे में उनकी रिकवरी काफी सुस्त रह सकती है। आईनॉक्स लीजर के मुख्य कार्याधिकारी आलोक टंडन ने कहा, लॉकडाउन के बाद सबसे बड़ी चुनौती ग्राहकों का भरोसा जीतने और उन्हें इस तरह की अंतर्निहित चिंता से बाहर निकलने में मदद करने की होगी।

अप्रैल के आखिर में एमके रिसर्च की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि राजस्व के अहम क्षेत्र (टिकट और खाद्य व बेवरिजेज से संग्रह : जो राजस्व का 80 फीसदी से ज्यादा होता है) में गिरावट वित्त वर्ष 2021 में 55 फीसदी से ज्यादा घटेगी। देसी ब्रोकरेज (जिसने पीवीआर व आईनॉक्स लीजर के शेयरों को डाउनग्रेड कर निवेशित बने रहने को कहा है) ग्राहकों की आवक और विज्ञापन राजस्व वित्त वर्ष 2022 में कोविड के पूर्व वाले स्तर पर पहुंचने की संभावना जताई है क्योंकि उनकी रिकवरी में देर होगी। क्षमता के कम इस्तेमाल से भी आय को झटका लग सकता है।

प्रभुदास लीलाधर के विश्लेषक जिनेश जोशी ने कहा, सोशल डिस्टेंसिंग के बीच कम ऑक्युपेंसी इस्तेमाल के कुल स्तर को नीचे रखेगा। आईनॉक्स के प्रबंधन ने भी इस पर सहमति जताई है कि जब भी परिचालन शुरू होगा तब सोशल डिस्टेंसिंग की दरकार होगी और यह ऑक्युपेंसी को प्रभावित करेगा। ऐसे में जोशी को लग रहा है कि अल्पावधि में क्षमता इस्तेमाल में 20 से 25 फीसदी की कमी आएगी। हालांकि उनका यह भी कहना है कि लंबी अवधि के लिहाज से मल्टीप्लेक्स के ढांचागत बढ़त की कहानी पहले की तरह बनी हुई है।

इसके अतिरिक्त कंटेंट की संभावित कमी (लॉकडाउन के कारण मूवी का उत्पादन ठप है) और ओटीटी या डिजिटल चैनल से प्रतिस्पर्धा भी उनके परिदृश्य को प्रभावित करेगा। ओटीटी में कुछ नई मूवी के रिलीज होने की हालिया प्रवृत्ति पर नजर डालें तो लंबी अवधि के परिदृश्य पर भी इसके निहितार्थ हो सकते हैं।

विश्लेषक ने कहा, फिक्स्ड लागत की ज्यादा हिस्सेदारी (किराया, मजदूरी) भी दोनों क्षेत्रों के लिए चिंता का विषय है। कंपनियां हालांकि किराए पर बातचीत कर रही हैं, लेकिन दोनों मल्टीप्लेक्स (पीवीआर व आईनॉक्स) ने इस मोर्चे पर अनुबंध में बदलाव के लिए कहा है, लेकिन जब भी वे अपना परिचालन दोबारा शुरू करेंगे तो उन्हें अपना मुनाफा संरक्षित करना मुश्किल होगा।

कोई राहत नहीं

शुद्ध लाभ (करोड़ रुपये)	वि.व. 20 (अनुमान)	वि.व. 21 (अनुमान)	वि.व 22 (अनुमान)
पीवीआर	58.2	-588.7	67.6
आईनॉक्स लीजर	80.4	-300.9	45.0
जुबिलैंट फूडवर्क्स*	275.5	167.0	469.5
वेस्टलाइफ डेवलपमेंट	40.5	0.6	53.8

* वास्तविक आंकड़े वित्त वर्ष 20 के। स्रोत : कंपनियां और ब्रोकरेज रिपोर्ट

कमजोर सेंटिमेंट

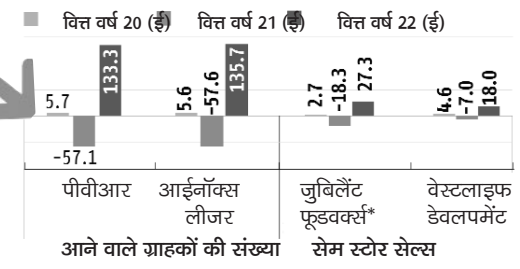

ये आंकड़े सालाना बढ़त/बदलाव के बारे में बताते हैं (फीसदी में)।
* वास्तविक आंकड़े वित्त वर्ष 20 के ई : अनुमान। स्रोत : कंपनियां व ब्रोकरेज रिपोर्ट

बाजार हलचल

और कंपनियां हो सकती हैं गैर-सूचीबद्ध

कुछ कंपनियां गैर-सूचीबद्ध हो सकती हैं क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण शेयर की कीमतों में आई गिरावट का फायदा उठाने के लिए कुछ प्रवर्तक कंपनी पर पूरा नियंत्रण करने पर विचार कर रहे हैं। अनिल अग्रवाल की अगुआई वाली वेदांत की तरफ से गैर-सूचीबद्धता की योजना की घोषणा के बाद बाजार में खबर है कि लंदन मुख्यालय वाली डियाजियो अब यूनाइटेड स्पिरिट्स के लिए इस तरह का फैसला ले सकती है। इन्वेस्टमेंट बैंकरों ने हालांकि किसी कंपनी विशेष का नाम नहीं बताया, लेकिन कहा कि और प्रवर्तक गैर-सूचीबद्धता पर विचार कर रहे हैं। एक बैंकर ने कहा, शेयर की कीमतें और निवेशकों की उम्मीद निचले स्तर पर है। साथ ही गैर-सूचीबद्धता का नया ढांचा अपेक्षाकृत आसान है। उन्होंने कहा कि पहले का ढांचा गैर-सूचीबद्धता के लिहाज से ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। *जश कृपलानी*

आरआईएल के राइट्स के जरिये नकदी प्रबंधन

ब्रोकरों ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरधारक राइट्स इश्यू का इस्तेमाल कुछ नकदी सृजित करने के लिए कर सकते हैं। द्वितीयक बाजार में अपने मौजूदा आरआईएल के शेयर बेचने और समान संख्या में राइट्स एनटाइलटमेंट की खरीद की रणनीति में वे राइट्स इश्यू सबस्क्राइब कर रहे हैं, जहां भुगतान चरणबद्ध तरीके से यानी टुकड़ों में किया जाएगा। एक ब्रोकर ने कहा, राइट्स इश्यू के लिए आवेदन करने वाले को राइट्स इश्यू की कीमत का 25 फीसदी अभी देना होगा जबकि 25 फीसदी एक साल बाद और बाकी 50 फीसदी नवंबर 2021 में। द्वितीयक बाजार में एक शेयर बेचकर निवेशक 1,433 रुपये हासिल कर सकते हैं। राइट्स इश्यू के सबस्क्रिप्शन की लागत सिर्फ 526 रुपये प्रति शेयर है (एक आरई के लिए 212 रुपये और पहले चरण में 314 रुपये का भुगतान)। ये निवेशक बाकी रकम अन्य मकसद के लिए मुक्त कर सकते हैं। *समी मोडक*

मिडकैप, स्मॉलकैप पर मोबियस का तेजी का नजरिया

प्रसिद्ध निवेशक मार्क मोबियस का मानना है कि मिडकैप व स्मॉलकैप शेयरों पर नजर डालने का यह सही वक्त है। मोबियस ने हालिया वेबिनार में कहा, भारत ने करीब आठ बार मंदी के बाजार का सामना किया है और सामान्य तौर पर रिकवरी काफी तेज रही है। भारत का परिदृश्य बेहतर है, पर राह में मुश्किलें भी होंगी लेकिन अब इक्विटी पर नजर डालने का अच्छा मौका है, खास तौर से छोटी व मझोली कंपनियों के शेयरों पर। उन्हें उम्मीद है कि कोविड-19 की मौजूदा स्थिति को देखते हुए सरकार और सुधार के लिए प्रोत्साहित होगी। इस महीने निफ्टी मिडकैप-100 और स्मॉलकैप-100 6-6 फीसदी नीचे है और इस तरह से बेंचमार्क निफ्टी के मुकाबले उनका प्रदर्शन बेहतर है क्योंकि उसमें 8.3 फीसदी की गिरावट आई है। *ऐश्ली कुटिन्हो*

एमसीएक्स के सॉफ्टवेयर में ऋणात्मक कीमतों पर भी कारोबार

एमसीएक्स ने ऋणात्मक कीमत पर कच्चे तेल के अनुबंध के विवादास्पद निपटान के एक महीने बाद एक परिपत्र जारी कर कहा है कि अब उसका सॉफ्टवेयर सिस्टम ऋणात्मक कीमत यानी एक रुपये से कम कीमत भी बताएगा और इस स्तर पर कारोबार किया जा सकेगा। एमसीएक्स ने 20 अप्रैल को कच्चे तेल वायदा को ऋणात्मक 2,884 रुपये पर निपटाया था। हालांकि उसका सॉफ्टवेयर ऋणात्मक कीमत कारोबार को मंजूरी नहीं दे रहा था। इसकी वजह यह थी कि अनुबंध की शर्तों के मुताबिक इसे एमसीएक्स के निपटान दिवस पर नायमैक्स क्रूड तेल के बंद होने के स्तर के आधार पर निपटाया जाना था। मगर नायमैक्स क्रूड -37 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। *बीएस*

बीएस बातचीत

उतारचढ़ाव का फायदा उठाने के लिए हमारे पास कुछ नकदी है

सरकार के राहत पैकेज और भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से दरों में औचक कटौती ने पिछले पखवाड़े बाजार को व्यस्त रखा। वेलेंटिस एडवाइजर्स के संस्थापक और प्रबंध निदेशक **ज्योतिवर्धन जयपुरिया** ने **पुनीत वाधवा** को दिए साक्षात्कार में कहा कि निवेशकों को उच्च जोखिम और कम जोखिम संतुलन बनाने वाली रणनीति अपनानी चाहिए ताकि कई क्षेत्रों में निवेश का फायदा उठाया जा सके जो अल्पावधि के लिहाज से अपेक्षाकृत सुरक्षित हों और सस्ते शेयर भी जो अगले कुछ सालों में उच्च रिटर्न दे सकते हों। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश...

बाजार को परिदृश्य को लेकर आपका क्या नजरिया है?

हम अभी तीन तरह के झटके - चिकित्सीय झटके और इसके परिणामस्वरूप आपूर्ति के झटके और मांग के झटके का सामना कर रहे हैं। कोविड-19 के चिकित्सीय समाधान की तलाश ही बाजार का आकार तय करने जा रहा है। हमें लग रहा है कि अगले 24 महीने में दवा या टीके के जरिए चिकित्सीय समाधान पा सकता है और ज्यादा संभावना है कि दोनों उपलब्ध हो जाए। वित्त वर्ष 2021 हालांकि अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किल भरा होगा, लेकिन वित्त वर्ष 2022 सामान्य रह सकता है और यह बाजार को अपने पूर्व के स्तर पर पहुंचने का जरिया उपलब्ध कराएगा। अल्पावधि में इस वायरस और लॉकडाउन को लेकर काफी अनिश्चितता रहने वाली है। ऐसे में हम अपने पोर्टफोलियो में कुछ नकदी रख रहे हैं ताकि बाजार में होने वाले उतारचढ़ाव का फायदा उठाया जा सके।

महामारी के कारण हुई आर्थिक गिरावट से निपटने के लिए नीति निर्माताओं की तरफ से घोषित कदम को आप कैसे देखते हैं?

अर्थव्यवस्था को मदद देने की खातिर राजकोषीय कदम के बजाय मौद्रिक नीति पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, शायद इसकी वजह पहले से ही खराब हो रही सरकारी वित्त की स्थिति है। भारतीय रिजर्व बैंक ने व्यवस्था में नकदी झोंकने, ब्याज दर घटाने और कर्जदार के दबाव को सहज बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। आरबीआई के सामने चुनौती बैंकों का जोखिम घटाने की है। सरकार ने एमएसएमई को गारंटी और समाज के कमजोर वर्गों को नकद हस्तांतरण के जरिए सहायता देने का मार्ग चुना है। वित्तीय सहायता के अभाव में बाजार निराश है, जिसकी दरकार मांग में तेजी लाने के लिए हो सकती है। अब भी उम्मीद बनी हुई है कि सरकार खर्च बढ़ाएगी जब अर्थव्यवस्था खुल जाएगी। सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए काफी बड़ा कदम उठाया है और वह है एपीएमसी का विखंडन। उन्हें इस संकट का इस्तेमाल भूमि व श्रम सुधार के लिए करना चाहिए।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से भी प्रोत्साहन के एक और दौर की उम्मीद है? क्या अन्य केंद्रीय बैंक इस राह पर चलेंगे?

कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि में दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था को बहाल करने के लिए कई कदम उठाएंगे। दुनिया भर में नकदी सहज होगी और ब्याज दरें कम होंगी। नकारात्मक दरें भी हो सकती हैं। बॉन्ड का प्रतिफल निकट भविष्य में कम रहेगा। नकदी झोंके जाने से मदद मिली है और यह इक्विटी कीमतों को सहारा देना जारी रखे हुए है।

महामारी ने भारतीय वित्तीय क्षेत्र को कितना कमजोर किया है?

हम उस दौर से बाहर निकल रहे हैं जहां हमने विगत के गैर-निष्पादित कर्ज के लिए प्रावधान किया था और वित्तीय क्षेत्र के लिए भविष्य काफी मजबूत नजर आ रहा है। कोविड-19 निश्चित तौर पर गैर-निष्पादित कर्ज के लिए प्रावधान का एक दौर लाएगा क्योंकि कंपनियों ने वास्तव में शून्य बिक्री के परिदृश्य के बारे में नहीं सोचा था। कुल मिलाकर यह क्षेत्र में एकीकरण लाएगा। उधारी के क्षेत्र के भीतर हमारा नजरिया बड़े बैंकों पर ज्यादा तेजी का होगा।

दूरसंचार क्षेत्र के लिए स्थितियां कैसी बन रही हैं?

तीन वजहों से दूरसंचार उद्योग बेहतर स्थिति में हैं। पहला, डेटा अब नया तेल बन गया है। लॉकडाउन के कारण डेटा का मांग बढ़ी और घर से काम करने का सिलसिला अभी जारी रहेगा, साथ ही लोगों की आवाजाही कम होगी और फिजिकल मीटिंग डेटा की मांग और बढ़ाएंगे। दूसरा, उद्योग तीन कंपनियों में एकीकृत हो गया है और टैरिफ बढ़ने की संभावना है।

मांग में सुधार की उम्मीदों से जिंसों की कीमतें चढ़ीं

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 24 मई

जिंसों की मांग में सुधार आने की उम्मीदों से पिछले एक सप्ताह के दौरान इनके दाम एक से तीन फीसदी तक चढ़े हैं। दरअसल भारी आर्थिक प्रोत्साहनों से दुनिया भर में बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़ी गतविधियां फिर से शुरू होंगी। करीब तीन महीने से बरकरार लॉकडाउन को धीरे-धीरे हटाए जाने से बुनियादी ढांचा गतिविधियां धीरे-धीरे पटरी पर आ रही हैं।

बेंचमार्क लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) पर एल्युमीनियम के दाम शुक्रवार को 2.8 फीसदी चढ़कर 1,473 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गए। वहीं तांबे की कीमतें 1.5 फीसदी चढ़कर 5,242.5 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गईं। ब्रेंट क्रूड पिछले एक सप्ताह में 9.6 फीसदी उछलकर 34.5 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। सप्ताह के दौरान लौह अयस्क के दाम 5.7 फीसदी चढ़कर 91.4 डॉलर प्रति टन और प्राकृतिक गैस के 5.2 फीसदी बढ़कर 1.7 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू हो गए।

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं ने कारोबार को पटरी पर लाने के लिए भारी प्रोत्साहन देना शुरू कर दिया है, जिससे औसत उपभोक्ता के हाथ में ज्यादा खर्च योग्य आमदनी आने के आसार हैं। इस तरह वैश्विक आर्थिक प्रोत्साहनों को लेकर बाजार के समायोजित होने और सामान्य स्थिति बहाल होने तक अगले कुछ सप्ताह के दौरान सोने और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड के उपाध्यक्ष नवनीत दमानी ने कहा, 'जिंसों के दाम पिछले दो सप्ताह के दौरान इस उम्मीद में बढ़े हैं कि महीनों से बंद वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के खुलने से आगामी महीनों में जिंसों की खपत बढ़ेगी। औद्योगिक जिंसों की मांग तब सुधरने के आसार हैं, जब वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं द्वारा घोषित प्रोत्साहन पैकेज आर्थिक प्रणाली में आना शुरू हो जाएंगे।'

दिसंबर 2019 में कोरोनावायरस (कोविड-19) महामारी सामने आने के बाद मांग घटने के कारण औद्योगिक जिंसों और ऊर्जा उत्पादों की कीमतें तेजी से गिरी थीं। इस महामारी की चपेट में धीरे-धीरे पूरी दुनिया आ गई।

Nucleus Software Exports Limited

NUCLEUS SOFTWARE

CIN : L74899DL1989PLC034594
Registered Office: 33-35, Thyagraj Nagar Market, New Delhi - 110003
Tel : +91 - 120 - 4031400; Fax : +91 - 120 - 4031672
Email : investorrelations@nucleussoftware.com, Website: www.nucleussoftware.com

EXTRACT OF FINANCIAL RESULTS OF NUCLEUS SOFTWARE EXPORTS LIMITED FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED 31 MARCH 2020

(Amount in Rupees Lakhs)

SL. No.	Particulars	CONSOLIDATED				STANDALONE			
		Quarter Ended		For the year ended		Quarter Ended		For the year ended	
		31 March 2020	31 March 2019	31 March 2020	31 March 2019	31 March 2020	31 March 2019	31 March 2020	31 March 2019
		(Unaudited)	(Unaudited)	(Audited)	(Audited)	(Audited)	(Audited)	(Audited)	(Audited)
1.	Total income from operations (net)	13,823	12,700	52,083	48,403	11,661	10,479	43,227	39,676
2.	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and Extraordinary items)	3,811	2,442	11,678	9,629	4,582	1,949	12,218	9,352
3.	Net Profit / (Loss) for the period before Tax (after Exceptional and Extraordinary items)	3,811	2,442	11,678	9,629	4,582	1,949	12,218	9,352
4.	Net Profit / (Loss) for the period after Tax (after Exceptional and Extraordinary items)	2,814	1,708	8,899	7,454	3,509	1,472	9,604	7,563
5.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/ (loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	2,172	1,784	8,152	7,480	2,860	1,581	8,767	7,544
6.	Equity Share Capital	2,904	2,904	2,904	2,904	2,904	2,904	2,904	2,904
7.	Reserves (excluding revaluation reserves as shown in the Audited balance sheet of previous year)	-	-	53,184	47,951	-	-	49,956	44,109
8.	Earnings Per Share - (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations)								
	Basic (INR)	9.69	5.88	30.64	25.67	12.08	5.07	33.07	26.04
	Diluted (INR)	9.69	5.88	30.64	25.67	12.08	5.07	33.07	26.04

Note:
The above is an extract of the detailed format of Quarterly/Annual Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and other Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
The full format of the Quarterly/Annual Financial Results are available on the Stock Exchange websites of BSE and NSE at www.bseindia.com and www.nseindia.com respectively and on Company's website at www.nucleussoftware.com.

By Order of the Board
For Nucleus Software Exports Limited
Sd/-
VISHNU R DUSAD
Managing Director

Place: Noida
Date : 23 May 2020